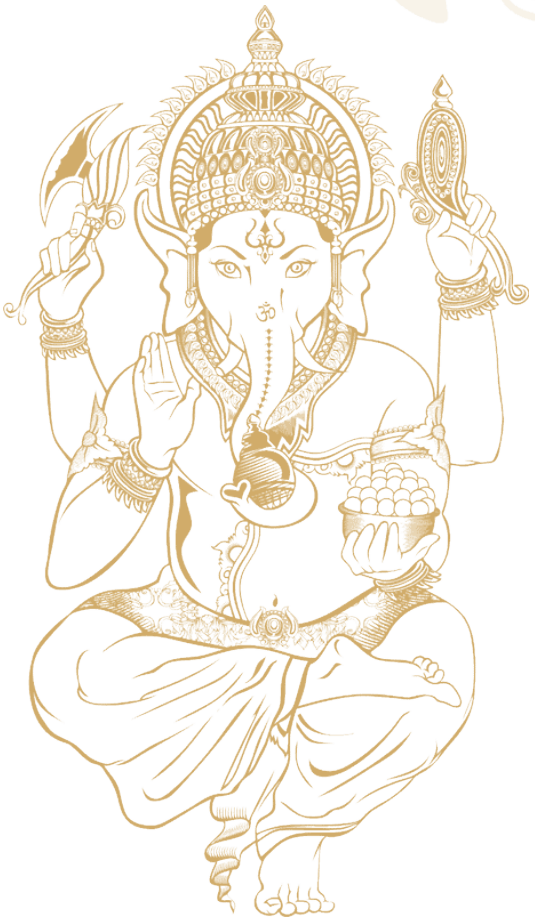

Mr.s

Ms.A

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119753905

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
09/05/1991	जन्म तिथि	7-08/01/1998
गुरुवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 12:40:00	जन्म समय	01:20:00 घंटे
घटी 16:52:06	जन्म समय(घटी)	44:58:18 घटी
India	देश	India
Udaipur	स्थान	Udaipur
24:36:00 उत्तर	अक्षांश	24:36:00 उत्तर
73:47:00 पूर्व	रेखांश	73:47:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:52	स्थानिक संस्कार	-00:34:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:55:09	सूर्योदय	07:20:40
19:07:24	सूर्यास्त	18:01:37
23:44:25	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:41

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 15वर्ष 3मा 1दि		28:24:14	कर्क	लग्न	तुला	01:54:05	शुक्र 6वर्ष 4मा 13दि	
बुध		24:26:04	मेष	सूर्य	धनु	23:29:15	मंगल	
09/08/2025		20:37:17	कुंभ	चंद्र	मेष	22:25:12	22/05/2020	
10/08/2042		26:18:07	मिथु	मंगल	मक	22:18:54	23/05/2027	
बुध	06/01/2028	28:43:59	मीन	बुध	धनु	00:30:48	मंगल	18/10/2020
केतु	02/01/2029	12:09:42	कर्क	गुरु	मक	29:52:09	राहु	06/11/2021
शुक्र	03/11/2031	06:31:32	मिथु	शुक्र व	मक	07:12:05	गुरु	13/10/2022
सूर्य	09/09/2032	13:03:04	मक	शनि	मीन	20:09:46	शनि	22/11/2023
चन्द्र	08/02/2034	28:36:00	धनु व	राहु व	सिंह	19:32:11	बुध	18/11/2024
मंगल	05/02/2035	28:36:00	मिथु व	केतु व	कुंभ	19:32:11	केतु	16/04/2025
राहु	25/08/2037	19:53:44	धनु व	हर्ष	मक	13:39:55	शुक्र	16/06/2026
गुरु	01/12/2039	22:54:51	धनु व	नेप	मक	05:22:00	सूर्य	22/10/2026
शनि	10/08/2042	25:16:26	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	13:09:43	चन्द्र	23/05/2027

लग्न-चलित

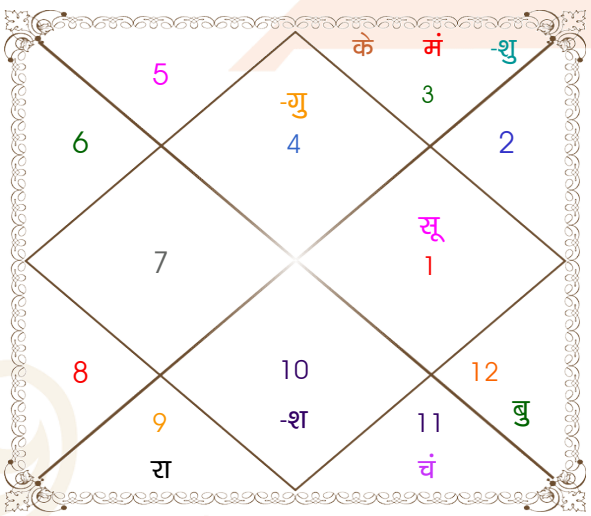

लग्न-चलित

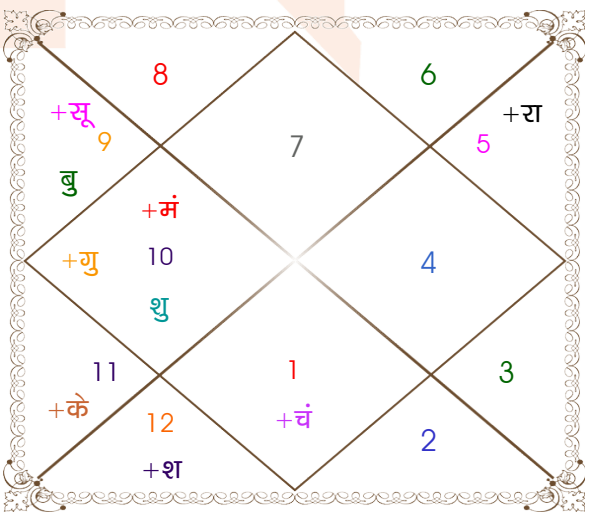

Krishna jyotish paramarsh Kendra (पूज्य दादा गुरु पण्डित स्व:किशन लाल जोशी की स्मृती में)
4 shanti ni ketan society bedala badgaon link road Udaipur Rajasthan
पण्डित गिरधारी जोशी पंडित भूपेंद्र जोशी
9571652706 9414829758
jbhupendrajoshi@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	गज	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.00		

Mr.s का वर्ग मेष है तथा Ms.A का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.s और Ms.A का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.s मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.s कि कुण्डली में द्वादश भाव में मिथुन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.A मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.A कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो

जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Ms.A कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms.A कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.s कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.s तथा Ms.A में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।